माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
पशुपालन	4 3 0	हिन्दी

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक 319- 3413575

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	9	2	4	4	1	9	7	7	–

शब्दों में

दो	नौ	दो	चार	चार	एक	नौ	सात	सात	–

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✕ शब्दों में ✕

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 04

ग :– परीक्षा का दिनांक 26 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्ड्री परीक्षा C.N. -241220

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
कीर्ति चावला	

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
S.S. Sanodiya 9770490	N.R.Rana 9770027

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

2019

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

(2) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 01. के उत्तर

सही विकल्प

(i) जीवाणु।

(ii) वर्षा से पहले।

(iii) पौधा - पौधनी।

(iv) फरह मथुरा।

(v) बरबरी।

प्रश्न क्रमांक 02. के उत्तर

रिक्त स्थान

(i) स्पेन।

(ii) भेड़।

(iii) 150 दिन।

(iv) ~~[illegible]~~ (हरियाणा) - ~~[illegible]~~ - (करनाल)।

(v) कैरोटीन।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 03. के उत्तर

सत्य और असत्य

(अ) असत्य ।

(ब) असत्य ।

(स) असत्य ।

(द) सत्य ।

(ई) असत्य ।

प्रश्न क्रमांक 04. के उत्तर

सही जोड़ियाँ

(a) मुर्गी फार्म की छत — छप्पर पक्की खपरेल

(b) 100 मुर्गी के बच्चों हेतु जल — 20-25 लीटर

(c) रानी खेत — वायरस

(d) बी. बी. एन. डी. वैक्सीन — बर्ड फ्लू

(e) कुक्कुट शीतला — छोटे पक्षियों में

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 05. का उत्तर

कतला मछली की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

(i) इसका मुँह चौड़ा होता है।

(ii) यह लगभग 180 सेमी तक की हो सकती है।

(iii) यह मुख्य रूप से जलीय क्रम खाना पसंद करती है।

प्रश्न क्रमांक 06. का उत्तर

विदेशी सुअर की नस्लें निम्नलिखित हैं -

(i) पोलैण्ड चायना।

(ii) ड्यूरॉक।

(iii) बर्कशायर।

(iv) लैण्डरेश।

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्रमांक 07. का उत्तर

दुधारी नस्ल की बकरियों के नाम निम्नलिखित है-

(i) जमुनापारी।

(ii) बरबरी।

ये बकरियाँ दुध एवं माँस दोनों प्रदान करती है।

प्रश्न क्रमांक 08. का उत्तर (अथवा)

साँयलिंग (स्वाइलिंग) के लाभ निम्नलिखित है.

(i) सहज उपलब्धता: स्वायलिंग (साँयलिंग) के अंतर्गत पशुओं को चारे की उपलब्धता आसानी से हो जाती है क्योंकि यह विधि पशु फार्म के निकट ही अपनाई जाती है।

(ii) उच्च पोषक मान: इस विधि मे चारे को खेत से काटकर तुरंत ही पशुओं को खिला दिया जाता है जिससे चारे के गुणों एवं पोषक तत्वों मे अंतर नहीं आता है।

(iii) आर्थिक लाभ: इस विधि में चारे को तुरंत खिलाया जाता है जिससे पशु की शारीरिक एवं दुग्ध उत्पादन क्षमता मे वृद्धि हो जाती है

6

योग पूर्व पृष्ठ + पृ० 6 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

जिससे किसान को आर्थिक लाभ की प्राप्ति होती है।

(iv) पशुधन में सुधार : इस प्रकार की विधि अपनाने से पशुधन में सुधार एवं बढ़ोत्तरी होती है।

प्रश्न क्रमांक 07. का उत्तर (अथवा)

शरीर में प्रोटीन के कार्य निम्नलिखित है -

(i) वृद्धि - विकास : भोजन के द्वारा प्रोटीन लेने से हमारे शरीर की वृद्धि - विकास की गति में तीव्रता आती है।
अर्थात् हमारे (पशु) के शरीर की वृद्धि एवं विकास होता है।

(ii) कोशिकाओं की मरम्मत : प्रोटीन हमारे शरीर में टूटी - फूटी कोशिकाओं की मरम्मत अर्थात् उन्हें ठीक करने का कार्य करता है।

(iii) शरीर निर्माण : हमारे शरीर का लगभग 15% भाग प्रोटीन से निर्मित है।
प्रोटीन शरीर निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी अदा करता है।

प्रश्न क्र.

स्वस्थ शरीर : शरीर में प्रोटीन निर्धारित मात्रा में लेने से हमारा शरीर निरोगी रहता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

प्रश्न क्रमांक 10. का उत्तर (अथवा)

पशुओं की जाँच करने की तीन विधियों के नाम निम्नलिखित हैं-

(i) व्यक्तिगत या सामूहिक चयन।

(ii) ~~बंशाव~~ वंशागत परीक्षण।

(iii) पारिवारिक चयन।

(iv) अभिलेख द्वारा चयन।

सभी विधियाँ पशु के स्वास्थ्य, प्रजनन क्षमता विक्रय, दुग्ध उत्पादकता के परीक्षण के लिए उपयोगी हैं।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 11. का उत्तर (अथवा)

पशु चिकित्सा में काम आने वाली औषधियों के नाम निम्नलिखित है -

(i) हींग : यह मुख्य रूप से पाचन क्षमता एवं पेट रोग हेतु उपयोगि है।

(ii) अदरक : यह सर्दी, जुकाम आदि के लिए एवं उल्टी को रोकने में सहायक है। "सौंठ इसका सूखा रूप है।"

(iii) हल्दी : यह एन्टीसेप्टिक एवं एन्टीबायोटिक है अतः इसका उपयोग रोगरोधी हेतु किया जाता है।

(iv) अफीम : यह पेपवर सोम्नीफेरम पौधे से प्राप्त किया जाता है इसका उपयोग पेट सम्बंधी रोगों मे किया जाता है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 12. का उत्तर

बीमार पशुओं के पहचान के चार लक्षण निम्नलिखित है -

(i) सामान्य स्वरूप : बीमार पशु का सामान्य स्वरूप बीमार होते ही बिल्कुल परिवर्तित हो जाता है वह नीरस दिखाई देने लगता है।

(ii) स्तनीय तंत्र : बीमार पशु के स्तनीय तंत्र पर बुरा असर पड़ता है उसकी दुग्ध-उत्पादन क्षमता एकाएक कम हो जाती है।

(iii) शारीरिक गुण व क्षमता : बीमार पशु के सभी शारीरिक गुणों एवं क्षमताओं में कमी देखने को मिलती है। पशु हाफने लगता है।

(iv) आहार प्रणाली : बीमार पशु कम आहार ग्रहण करता है एवं उसे भी वह ठीक प्रकार से नहीं पचा पाता है।

(v) कार्य : बीमार पशु की पहचान हम उसके कार्य-प्रणाली के द्वारा ही कर सकते हैं।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 13. का उत्तर (अथवा)

रबड़ी : यह दूध को गर्म करने पर लच्छेदार रूप में प्राप्त होती है।

रबड़ी, खोआ के पहले का पदार्थ है।

रबड़ी का औसत संगठन

क्र.	अवयव	प्रतिशत मात्रा
01.	जल	36
02.	वसा	20
03.	प्रोटीन	10
04.	लेक्टोज	17
05.	खनिज लवण	2
06.	शर्करा	15
	कुल	100 %

BSE

11 + =

भाग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 11 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

"कुल्फी का फ्लोचार्ट"

दूध (साधारण गाय/भैंस)
↓
पाश्चुरीकरण या निर्जमीकरण
↓
दूध का संघनन (गाढ़ा)
↓
कटे फल एवं मिठासकारक व सुवासकारक
↓
समांगीकृत करते
↓
मिश्रण को ठण्डा करते
↓
मिश्रण को विभिन्न आकार के शंकुओं में भरते
↓
शंकुओं के मुंह को आटे से बंद करते
↓
शंकुओं को 1:4 के घोल में डालते
↓
3-5 घण्टे उपरांत कुल्फी तैयार हो जाती

* 1:4 का घोल : 1 भाग नमक व 4 भाग बर्फ का मिश्रण।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 15. का उत्तर

दुग्ध चूर्ण : दुग्ध चूर्ण वह दुग्ध उत्पाद है जो दूध को पूर्ण रूप से निर्जल करके पाउडर के रूप में प्राप्त किया जाता है। यह पुनः दूध में परिवर्तित हो जाता है।

दुग्ध चूर्ण बनाने की विधियाँ-

(i) निर्वात शुष्कन।

(ii) बेलन शुष्कन।

B S E

दुग्ध चूर्ण का संगठन "

दूध का प्रकार	(अवयव की मात्रा % में) जल	वसा	प्रोटीन	लेक्टोज	खनिज लवण
शुद्ध दूध से	3.8	26	27	36.2	6
सप्रेटा दूध से	3.5	1	35	52.0	7.9

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

ब्रूडर :- यह एक यंत्र है जिसमें चूजों को कृत्रिम रूप से पालने का कार्य किया जाता है। ब्रूडर की सहायता से चूजों को आसानी से पाला जा सकता है।

अच्छे ब्रूडर की विशेषताएँ निम्नलिखित है -

(i) ब्रूडर की स्थिति : चूजों के पालन हेतु ब्रूडर नया होना चाहिए यदि पुराना है तो उसमें जंग नहीं लगी होना चाहिए।

(ii) स्वच्छता : ब्रूडर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए वरना चूजों को विभिन्न प्रकार के रोग हो सकते है अर्थात् ब्रूडर की नियमित सफाई करना जरूरी है।

(iii) संवातन एवं प्रकाश : ब्रूडर में वायु के आवागमन हेतु विशेष व्यवस्था होनी चाहिए एवं साथ ही उचित प्रकाश की भी व्यवस्था होनी चाहिए प्रकाश हेतु बल्बों का प्रयोग भी कर सकते है।

(iv) आहार व्यवस्था : ब्रूडर में चूजों हेतु आहार एवं जल की नियमित एवं उचित व्यवस्था होनी चाहिए। आहार एवं पानी ब्रूडर में 24 घंटे उपलब्ध होना चाहिए।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17. का उत्तर (अथवा)

मुर्गियों के आहार में विटामिन्स के कार्य

क्र०	विटामिन का नाम	कार्य
01.	A	यह दृश्य क्षमता अर्थात नेत्र ज्योति को बढ़ाता है।
02.	B	यह मुख्य रूप से मुर्गियों में भूख को बढ़ाता है।
03.	C	यह मुर्गियों में स्कर्वी रोग अर्थात् त्वचा सम्बंधी रोगों से बचाता है।
04.	D	यह मुर्गियों में रिकेट्स रोग एवं हड्डियों को मजबूत बनाता है।
05.	E	यह मुर्गियों में प्रजनन क्षमता को ठीक करता है एवं बांझपन की समस्या को दूर करता है।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18. का उत्तर (अथवा)

कुक्कुट में बाह्य परजीवी के रोकथाम के उपाय निम्नवत् है -

(i) नियमित स्नान : कुक्कुटो को बाह्य परजीवियों से निजात पाने हेतु नियमित स्नान करवाना चाहिए।

(ii) उचित आहार : कुक्कुटो को आदर्श राशन देना चाहिए जिससे वे जल्दी ही बाह्य परजीवियों से ग्रसित न हो।

(iii) कुक्कुट शाला की स्वच्छता : कुक्कुटों में बाह्य परजीवियों का प्रकोप कुक्कुटशाला की अनियमित सफाई से देखने को मिलता है अतः हमें कुक्कुटशाला की सफाई नियमित करनी चाहिए।

(iv) रोगाणुरोधन : कुक्कुट एवं कुक्कुटशाला में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के रोगाणुरोधकों का प्रयोग करना चाहिए।

(v) चिकित्सकीय उपचार : कुक्कुटों को बाह्य परजीवियों का प्रकोप न हो इस हेतु हमें समय-समय पर चिकित्सकीय उपचार अवश्य करवाना चाहिए।